करे, क्योंकि इस जलमार्ग के शुरू होने से भारत और बंगलादेश में आर्थिक गतिविधियों के केन्द्रों के लिए त्रिपुरा और इसके आस-पास के राज्यों की कनेक्टिविटी में सुधार होगा।

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I would like to associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

DR. SANTANU SEN (West Bengal): Sir, I would also like to associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I would also like to associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRI ABIR RANJAN BISWAS (West Bengal): Sir, I would also like to associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

Need to reduce the GST on bricks

श्री दिनेशचंद्र जेमलभाई अनावाडीया (गुजरात) **:** महोदय, देश के नागरिकों के लिए रोटी, कपड़ा और मकान, ये तीन विषय महत्वपूर्ण होते हैं। आज प्रत्येक परिवार को मकान उपलब्ध करवाना प्रधान मंत्री जी का सपना भी है। मकान बनाने हेतु ईंट अति आवश्यक है। इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए ईंट उद्योग लगाने वाले व्यापारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है, परन्तु पिछले कुछ समय से ईंट उद्योग पर जीएसटी बढ़ाये जाने से ईंट व्यापारियों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। ईंट पर जीएसटी बढ़ने से ईंट की लागत में वृद्धि हुई है, जो व्यावहारिक नहीं लगता है और इसके कारण लोग मकान बनाने हेतु ईंट का विकल्प खोज रहे हैं। ईंट के क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यापारियों, छोटे कारीगरों एवं उनके परिवारों पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव दिखाई देता है। ईंट पर लगने वाले कर को 5 प्रतिशत से बढ़ाकर 12 प्रतिशत कर दिया गया है। इसके साथ ही, ईंट भट्ठों की दूरी से भी परेशानियाँ उत्पन्न हुई हैं। एक किलोमीटर की दूरी व्यावहारिक नहीं है। इन सब कारणों से ईंट उद्योग पर खतरा मँडरा रहा है। इसलिए कम्पोजिशन स्कीम के तहत 1 परसेंट और रेगुलर स्कीम के तहत आईटीसी के साथ 5 परसेंट के पुराने स्लैब की बहाली की जाए तथा जीएसटी की श्रेणी को घटाया जाए।

अत: मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से आग्रह करता हूँ कि ईंट व्यापारियों के लिए सरल नियमों का एक तंत्र विकसित किया जाए, जिससे ईंट के उद्योग में कार्य कर रहे लाखों-करोड़ों मजदूरों और कारीगरों के साथ-साथ देश के सामान्य जन भी लाभान्वित हों और वे अपना मकान बनाने का सपना आसानी से पूरा कर सकें।

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I would like to associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

DR. SANTANU SEN (West Bengal): Sir, I would also like to associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I would also like to associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRI ABIR RANJAN BISWAS (West Bengal): Sir, I would also like to associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

Need for work on Pushkar-Merta rail line on priority basis

श्री राजेन्द्र गहलोत (राजस्थान) : उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान पुष्कर से मेड़ता 59 किलोमीटर रेल लाइन की जन-उपयोगिता की ओर ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं।

महोदय, इस लाइन का सर्वे वर्ष 2010 में प्रस्तावित होने के बाद इसे वर्ष 2013-14 के बजट में भी शामिल किया गया था। मैं माननीय रेल मंत्री को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने इस परियोजना का सर्वे कराने का पुनः आदेश जारी किया है।

महोदय, तीर्थराज पुष्कर हिन्दू धर्म के सारे तीर्थों में सबसे बड़ा तीर्थ माना जाता है, क्योंकि यह मान्यता है कि इस तीर्थ के बिना तीर्थ यात्रा पूर्ण नहीं होती है। इसी प्रकार आस-पास के क्षेत्रों में भी लोक देवता वीर तेजाजी, संत जम्भेश्वर जी, संत लक्ष्मी दास जी, बाबा रामदेव जी, पाबूजी महाराज, मीराबाई के स्थान होने से वर्ष भर यहां बड़ी संख्या में तीर्थ यात्री तथा टूरिस्ट्स का आवागमन होता है। इस रेलखंड के बन जाने से लाखों लोगों को लाभ पहुंचेगा।

यह क्षेत्र पेट्रोलियम, खनिज उत्पादन, हैंडीक्राफ्ट उद्योग आदि का क्षेत्र भी है, जिस कारण उत्पादों को माल गाड़ियों द्वारा भेजा जाता है। उक्त मार्ग के बनने से समय की बचत के साथ माल ढुलाई का खर्चा भी बहुत कम हो जाएगा।

पश्चिमी राजस्थान अंतर्राष्ट्रीय सीमा क्षेत्र भी है, अतः सैन्य गतिविधियों के लिए भी यह मार्ग सुगम और वैकल्पिक होगा। वर्तमान में ट्रेनें मारवाड़ जंक्शन तथा अजमेर के रास्ते से होकर निकलती हैं। यह दिल्ली से अहमदाबाद का व्यस्ततम रूट है। इस रूट से 100 किलोमीटर घूम के आना-जाना पड़ता है, उक्त रेल रूट के पूर्ण होने से यह दूरी घट जाएगी तथा पुष्कर से मेड़ता, अजमेर, चित्तौड़गढ़, रतनगढ़, इंदौर से दक्षिण भारत सीधा जुड़ जाएगा। मुम्बई से जयपुर का भी एक अच्छा विकल्प होगा। यदि इस खंड को प्राथमिकता से जोड़ा जाता है तो जोधपुर तथा बीकानेर मंडल से संचालित होने वाली ट्रेनें जो दक्षिण भारत को जोड़ती हैं, उनकी दूरी कम होगी जिससे जैसलमेर से आने वाले पर्यटकों को भी इसका लाभ मिलेगा तथा रेलवे के राजस्व की भी बढ़ोतरी होगी।

अतः सरकार से आग्रह है कि इस परियोजना को जल्दी पूरा किया जाए।